Phone # 0294-2470119(O) Fax#0294-2471056

College of Technology and Engineering

Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur-313001

N0.CTAE/FMP/2017-18/
Dated: 19/08/2017

प्रेस विज्ञप्ति

21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन

उदयपुर 19.08.2017 शनिवार। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ''ग्रामीण युवाओं के बीच कौशल आधारित कृषि उद्यमों के विकास के माध्यम से रोजगार सृजन'' विषय पर 21 दिवसीय आई सी ए आर अनुमोदित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. बी . पी . शर्मा कुलपति पसिफिक विश्वविधालय, उदयपुर व विशिष्ट अतिथि प्रवीण सिंह चौहान , बोम सदस्य म.प्र.कृ.प्रौ.विश्वविद्यालय उदयपुर थे। इसके अतिरिक्त डॉ. सुरेन्द्र कोठारी , डायरेक्टर मोनिटरिंग एंड प्लानिंग म.प्र.कृ.प्रौ.विश्वविद्यालय उदयपुर, डा. एस एस राठौड़ अधिष्ठाता सीटीएई, डा. लोकेश गुप्ता कोर्स डायरेक्टर, डॉ. एन . एल . डांगी कोकोर्स डायरेक्टर आदि उपस्थित रहे।

प्रारम्भ मे डा. एस एस राठौड़ ने सभी पधारे हुए अतिथियों का स्वागत किया तथा ग्रामीण युवाओ को रोजगार के अवसर दिलाने के लिए उनके कौषल विकास को जरुरी बताया । **कोर्स डायरेक्टर डा. लोकेश गुप्ता** ने 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कोर्स की जानकारी दी। सफलता पूर्ण आयोजन के लिये बधाई देते हुऐ डॉ. सुरेन्द्र कोठारी , डायरेक्टर मोनिटरिंग एंड प्लानिंग म.प्र.कृ.प्रौ.विश्वविद्यालय उदयपुर ने बताया की कृषि का देश की जीडीपी में 14 प्रतिशत योगदान है कृषि में कोशल विकास के द्वारा ग्रामीण युवाओ के पलायन को रोका जा सकता है विशिष्ट अतिथि प्रवीण सिंह चौहान , बोम सदस्य म.प्र.कृ.प्रौ.विश्वविद्यालय उदयपुर ने बताया की भारत एक कृषि प्रधान देश है आधी से ज्यादा जनसख्या कृषि पर आधारित है किसानो को समृद्ध करने के लिए उनकी छोटी छोटी समस्याओ का समाधान करना आवष्यक है तथा इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन ग्रामीण आदिवासी युवाओं के लिए भी किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आग्रह किया की वे कोर्स मे अर्जित ज्ञान से किसानो की सहायता करेंगे। मुख्य अतिथि डॉ. बी . पी . शर्मा कुलपति पसिफिक विश्वविधालय, उदयपुर ने बताया की 30 करोड़ से अधिक लोग सीधे कृषि पर आधारित हैं ये देश का सब से बड़ा वर्ग है फिर भी कुछ किसान आत्म हत्या कर रहे हैं जबकि उन्ही प्ररिस्थितियो मे दुसरे किसान जीवन

यापन कर रहे है किसानो को समूह बना कर कृषि आधारित लघु उद्योग शुरु करने चाहिए जिससे किसानो की आर्थिक स्थिति मे सुधार हो । उन्होंने बताया की गुजरात मे 5 महिलाओं द्वारा शुरू किया हुआ व्यवसाय अब लिज्जत पापड़ के नाम से 800 करोड़ की वार्षिक आय का उद्योग बन चुका है। आज फार्मिंग कौशल को सुधारने की जरुरत है जिस से हम विश्व को खाद्य सुरक्षा दे सकते है अगर किसान की आय बढती है तो वह अपने परिवार के लिए सामान खरीदता है जिससे स्थानीय व लघु उद्योगों को बल मिलेगा उन्होंने बताया की कोई भी उत्पाद के लिए गुणवता बहुत जरुरी है परन्तु लघु उद्योग गुणवता मे अच्छे नही होते हैं इस के लिए क्लस्टर डेवलपमेंट स्कीम शुरु की गयी है जिसमे उत्पाद की गुणवता, पैकिंग आदि के बारे मे सिखाते है जिससे उत्पाद की मूल्य मे बढोतरी होती है कोई भी उत्पाद पैदा करने के लिए उचित इको सिस्टम होना जरुरी है । उन्होंने कहा कि किसानों को अधिक कीटनाशी और शाकनाशी के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरुरी है इस की वजह से आज कल मनुष्य के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है कोशल के साथ साथ इकोलॉजिकल बैलेंस के बारे मे लोगो को जागरूक करना चाहिए। डा. एस एम माथुर विभागाध्यक्ष फार्म मशीनरी एवं पावर अभियांत्रिकी ने धन्यवाद की रस्म अदा की। कार्यक्रम का संचालन डा. निकीता वधावन ने किया।

डा. लोकेश गुप्ता

कोर्स डायरेक्टर